प्रिय मित्रों,

नववर्ष की हार्दिक बधाई!!!

मित्रों, जैसा आपको पता है, आज भारत लगातार तरक्की के पथ पर अग्रसर है. हमारे करोड़ों युवाओं ने हर क्षेत्र में सफलता के नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं. इसी तरक्की में हमने (The Fluency Consortium ने) भी अपना छोटा सा योगदान दिया है. आइये एक नज़र डालें हमारे सफर पर.

वर्ष 2003 दिसम्बर- The Fluency Consortium की स्थापना इस उद्देश्य के साथ की गई कि यह तमाम छात्रों को एक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराएगा. हमने इस प्रयास को भली-भाँति पूरा किया तथा एक पाठ्यक्रम (Course) आरम्भ किया, जो 4 महीने का था जिसका शिक्षण शुल्क मात्र 500/- रूपए था. इस पाठ्यक्रम से काफी छात्रों ने लाभ उठाया, क्योंके इसमे अंग्रेजी व्याकरण, संरचना, रचना तथा बोलचाल- सबकुछ सम्मिलित था. हमारे द्वारा नित नए प्रयोग किए जाते रहे और संस्थान ने अपने पाठ्यक्रम को आज के प्रतियोगी परीक्षाओं के अनुसार सुधार करते हुए अपनी पहचान राष्ट्रीय स्तर तक बना ली.

मित्रों, शायद आपने सुना ही होगा कि हमारे संस्थान के विद्यार्थियों ने 2006 से 2008 के बीच सफलता के नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं जिसका कोई जोड़ कहीं और नहीं मिलता. और हाँ, सफलता इसलिए भी महत्त्वपूर्ण है, क्योंकि लगभग 90% विद्यार्थी समाज के निम्न तथा गरीब तबके से आते हैं, जिन्होंने अपनी मेहनत, लगन और ईमानदारी से संस्थान के निर्देशन में वो कर दिखाया जिसका सपना हर माँ-बाप देखते हैं.

मित्रों, आज समस्त विद्यार्थीगण अभियांत्रिकी (Engineering), चिकित्सा (Medical) इत्यादि की पढ़ाई के पीछे भाग रहे हैं. इसकी पढ़ाई करने के लिए वे क़र्ज़ के बोझ तले दबते चले जाते हैं. जबकि आज एक बहुत ही अच्छा विकल्प आपके सामने है, जो लगभग मुफ्त उपलब्ध है और भारत सरकार द्वारा स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालयों में पढ़ाई जा रही है.

जी हाँ वो है- विदेशी भाषा की शिक्षा.

सर्वप्रथम हमें यह जानना होगा कि विदेशी भाषा है क्या? जैसा आप जानते हैं, अंग्रेजी एक विदेशी भाषा है, यह भारत में अंग्रेजों के माध्यम से आई और आज विश्व में सर्वाधिक अंग्रेजी जानने वाले भारतीय हैं. आज के युवाओं को अंग्रेजी जानने के कारण ही तमाम क्षेत्रों में सफलता मिली है. ठीक इसी प्रकार अरबी, इतालवी, कोरियाई, चीनी, जर्मन, जापानी, पुर्तगाली, फ़्रांसीसी, रूसी, स्पेनी इत्यादि भी विदेशी भाषाएँ हैं.

मित्रों आपको शायद नहीं पता कि इन भाषाओं की पढ़ाई भारत के उच्च शिक्षण संस्थानों में कराई जा रही है, जिसमे प्रवेश पाने के लिए अखिल भारतीय प्रवेश परीक्षा में उत्तीर्ण होना आवश्यक है.

इस परीक्षा का माध्यम पूर्णतः अंग्रेजी होता है, जिसमे सामान्य ज्ञान, समसामयिक घटनाक्रम तथा अंग्रेजी भाषा व्याकरण, रचना तथा उसके उपयोग पर आधारित वस्तुनिष्ठ (Objective) एवं विषयनिष्ठ (Descriptive) प्रश्न पूछे जाते हैं.

परीक्षा उत्तीर्ण होने पर आपका दाखिला इन संस्थानों में होता है, और शिक्षा बिल्कुल मुफ्त मिलती है, साथ में छात्रावास तथा छात्रवृत्ति भी दी जाती है.

इन भाषाओं के अध्ययन के पश्चात विद्यार्थियों को विदेश जाने का सुनहरा अवसर भी प्राप्त होता है तथा बेहतरीन क्षेत्र में रोजगार भी आसानी से मिल जाता है. वे क्षेत्र हैं-

(क) भाषा अनुवादक तथा दुभाषिया (सरकारी एवं गैरसरकारी)
(ख) पर्यटक निर्देशक (गाइड) (सरकारी एवं गैरसरकारी)
(ग) दूतावासों में
(घ) जासूसी संस्थाओं में
(ङ) प्रमुख वित्तीय, तकनीकी एवं शैक्षणिक संस्थानों में
(च) दूरदर्शन, आकाशवाणी और समाचारपत्रों इत्यादि में

<u>विदेशी भाषा की पढाई कराने वाले प्रमुख संस्थान</u>-

(क) जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (JNU), नई दिल्ली
(ख) अंग्रेजी एवं विदेशी भाषा विश्वविद्यालय (EFLU), हैदराबाद
(ग) बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (BHU), वाराणसी
(घ) दिल्ली विश्वविद्यालय (DU), दिल्ली
(ङ) विश्व-भारती (VISHWA BHARTI), शान्ति निकेतन
(च) महाराजा श्याजीराव विश्वविद्यालय (MSU), बडोदरा

<u>इन संस्थानों में हमारी उपलब्धि</u>-

Year	**In JNU**	**In BHU**	**In EFLU**	**In MSU**	**In Vishw Bharti**	**Total**
2006	1	1				**2**
2007	10	5		1		**16**
2008	40	15	25		5	**85**
Total	**51**	**21**	**25**	**1**	**5**	**103**

इस परीक्षा की तैयारी:- अंग्रेजी पर अच्छी पकड़ तथा सामान्य ज्ञान एवं समसामयिकी घटनाक्रम का सम्पूर्ण ज्ञान. अच्छी तार्किक शक्ति.

मित्रों! अब यह संस्थान में विदेशी भाषाओं की पढ़ाई भी शुरू हो चुकी है. साथ ही विभिन्न उच्च शिक्षण संस्थानों में पंचवर्षीय विधि पाठ्यक्रम (BA LLB) और तीनवर्षीय विधि पाठ्यक्रम (LLB) में नामांकन के लिए भी पाठ्यक्रम शुरू करने जा रहा है.

सुभकामनाओं सहित

THE FLUENCY परिवार